UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR

SYLLABUS

3/4 Yrs. Undergraduate Programme in Arts (Sanskrit)

[NON - COLLEGIATE]

(I & II Semester)

SANSKRIT

Session - 2024-25

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

बी.ए. (संस्कृत) वर्ष 2024–25
प्रथम सेमेस्टर
स्वयंपाठी परीक्षार्थी
दृश्य एवं श्रव्य काव्य

समय : 3 घण्टे | अंक 150

सामान्य निर्देश –

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 60 तथा पूर्णांक 150 होंगे और समय 3 घंटे का होगा।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
6. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

<u>पाठ्यक्रम</u>

Unit- I - स्वप्नवासवदत्तम् (भास)	40 अंक
Unit- II - नीतिशतकम् (भर्तृहरि)	40 अंक
Unit- III - रघुवंशम् प्रथम सर्ग	40 अंक
Unit- IV - अनुवाद– संस्कृत से हिन्दी–कारक सम्बन्धी पाँच वाक्य तथा हिन्दी से संस्कृत दस में से पाँच वाक्य	30 अंक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अंक– विभाजन

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	प्रश्न संख्या 1 में लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	अंको का योग
1.	स्वप्नवासवदत्तम्	03 लघू.	06	2 अ 2 ब	34	24(12+12)+10= 34
2.	नीतिशतकम्	03 लघू.	06	3 अ 3 ब	34	24(12+12)+10= 34
3.	रघुवंशम् (प्रथमसर्ग)	02 लघू.	04	4 अ 4 ब	36	24(12+12)+12= 36
4.	अनुवाद–कारक सम्बन्धी तथा हिन्दी से संस्कृत 12 में से 06 वाक्य	02 लघू.	04	5 अ 5 ब	26	8(4x2)+ 18(6x3)=18
	कुल	1	20	04	130	150

निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

Unit- I स्वप्नवासवदत्तम्

भाग अ में 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 24(12+12) अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर देय है। 10 अंक

Unit- II नीतिशतकम्

भाग अ में 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 24(12+12) अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 10 अंक

Unit- III रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)

भाग अ में लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 04 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी 12+12= 24 अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 12 अंक

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

Unit- IV अनुवाद एवं कारक

भाग अ में 2 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 04 अंक

भाग ब

1. संस्कृत से हिन्दी– कारक संबंधी 04 वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है। 08 अंक
2. हिन्दी से संस्कृत– 12 वाक्य देकर 06 वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है। 18 अंक

प्रत्येक वाक्य के लिये 3 अंक निर्धारित है।

<u>*सहायक पुस्तकें–*</u>

1. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ. कृष्णदेव प्रसाद–जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, झालानियों का रास्ता , जयपुर।
2. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ.रूपनारायण त्रिपाठी रचना प्रकाशन, जयपुर। स्वप्नवारावदत्तम्–संस्कृत हिन्दी व्याख्या –डॉ.जगन्नाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, झालानियों का रास्ता , जयपुर।
3. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ.सुभाष वेदालंकार, –अलंकार प्रकाशन, जयपुर।
4. स्वप्नवासवदत्तम्–डॉ.श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, चौडा रास्ता जयपुर।
5. नीतिशतकम्–डॉ. गोपाल शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
6. नीतिशतकम्–डॉ. श्रीकृष्ण ओझा,, राज प्रकाशन मंदिर, जयपुर।
7. नीतिशतकम्– डॉ.सुभाष वेदालंकार, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
8. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)
9. संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
10. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल
11. प्रौढरचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

बी.ए. (संस्कृत) वर्ष 2024–25
द्वितीय सेमेस्टर
स्वयंपाठी परीक्षार्थी

भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, व्याकरण

समय : 3 घण्टे अंक—150

सामान्य निर्देश –

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 60 तथा पूर्णांक 150 होंगे और समय 3 घंटे का होगा।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।

1. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

पाठ्यक्रम

Unit- I - भारतीय संस्कृति के तत्त्व – 40 अंक

क– भारतीय संस्कृति–विषय, पृष्ठभूमि, विशेषताएँ।
ख– भारतीय संस्कृति के विकास की रूपरेखा–पूर्ववैदिक काल, वैदिकोत्तरकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल।
ग– प्राचीनकाल– राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति।
घ– वर्ण, आश्रम, एवं संस्कार।
ड– शिक्षा (वैदिककाल से लेकर 7वीं शताब्दी तक)
च– लेखन–कला की उत्पत्ति।
छ– भारतीय दर्शन की प्रमुख विचारधाराएँ।
ज– भारतीय संस्कृति का मानव–कल्याण में योगदान।

Dy. Registrar
(Academic)
Univ. of Rajasthan
JAIPUR

65

Unit- II - किरातार्जुनीयम्(प्रथम सर्ग)—भारविकृत 35 अंक

Unit- III - व्याकरण—लघुसिद्धान्तकौमुदी—संज्ञा, एवं संधि प्रकरण 40 अंक

क—संज्ञा प्रकरण—

ख—अच् संधि—

ग— हल् संधि—

घ विसर्ग संधि—

Unit- IV - संस्कृत काव्य का इतिहास 35 अंक

अश्वघोष, कालिदास, भारवी, माघ, श्रीहर्ष, जयदेव, भर्तृहरि और उनके कार्य, महाकाव्यों की उत्पत्ति और विकास। रामायण और महाभारत। उपर्युक्त के विशेष संदर्भ में गीतिकाव्य, कवियों और उनकी कृतियों का उल्लेख किया। (चार में दो प्रश्न है।)

अंक— विभाजन

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	प्रश्न संख्या 1 में लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	अंको का योग
1.	भारतीय संस्कृति के तत्त्व	लघूत्तरात्मक 3	06	02 अ 02 ब	34	20+ 14(7+7)
2.	किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)	लघूत्तरात्मक 3	06	02 अ 02 ब	29	14(7+7)+15
3.	लघुसिद्धान्तकौमुदी—संज्ञा, एवं संधि प्रकरण	लघूत्तरात्मक 2	04	03 03 ब 03 स 03 द	36	04+16+14+2
4.	संस्कृत काव्य का इतिहास	लघूत्तरात्मक 2	04	04 अ 04 ब 04 स	31	10+10+11
	कुल	10	20	10	130	130+20=150

प्रश्न—पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

निबन्धात्मक/ व्याख्यात्मक प्रश्न

I - भारतीय संस्कृति के तत्व

भाग अ में 2—2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

1. दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट है। 20 अंक
2. चार विषयों पर टिप्पणी पूछ कर किन्हीं दो का उत्तर अभीष्ट है। 14 (7+7) अंक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

II - किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 08 अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 14 (7+7) अंक

2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 15 अंक

III - व्याकरण–लघुसिद्धान्त कौमुदी

भाग अ में 2–2 अंक के दो लघूत्तरात्मक प्रश्न से पूछे जायेंगे । 04 अंक

भाग ब विसर्ग संधि से 04 अंक

अ. संज्ञा प्रकरण

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।
प्रत्येक व्याख्या के लिये 2 अंक निश्चित हैं। 04 अंक

ब. अच् संधि–

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 10 अंक
प्रत्येक व्याख्या के लिये चार में से दो सिद्धि निश्चित हैं। 06 अंक

स. हल् संधि–

4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 08 अंक
प्रत्येक व्याख्या के लिये चार में से दो सिद्धि निश्चित हैं। 06 अंक

द. विसर्ग संधि–

2 सूत्र पूछकर किसी 1 सूत्र की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 02 अंक

IV - संस्कृत काव्य का इतिहास –

1. किन्हीं दो कवियों के व्यक्तित्व कृतित्व सम्बन्धी प्रश्न पूछकर किसी एक कवि से सम्बन्धित उत्तर अभीष्ट है। 10 अंक

2. किन्हीं दो कवियों के काव्य के वैशिष्ट्य सम्बन्धी प्रश्न पूछकर एक कवि के सम्बन्ध में उत्तर अभीष्ट है। 10 अंक

3. रामायण एवं महाभारत सम्बन्धी निबन्धात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 11 अंक

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan

सहायक पुस्तकें– भारतीय संस्कृति

1. भारतीय सांस्कृतिक निधि– डॉ. रामजी उपाध्याय, महामनापुरी , वाराणसी।
2. भारतीय संस्कृति–श्री रामदेव साहू, श्याम प्रकाशन चौडा रास्ता, जयपुर।
3. भारतीय संस्कृति– वाई.एस.रमेश–रचना प्रकाशन,जयपुर।
4. भारतीय संस्कृति– डॉ. रामजी उपाध्याय, महामनापुरी , वाराणसी।
5. भारतीय दर्शन– डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

किरातार्जुनीयम्

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)–आचार्य नवल किशोर कांकर, विद्या वैभव भवन, जयपुर।
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)–डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन , जयपुर।
3. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)– डॉ.सुभाष वेदालंकार, –अलंकार प्रकाशन, जयपुर।

अनुवाद के लिए

1. संस्कृत रचनानुवाद मंजरी–पं. नंदकुमार शास्त्री, अजगेरा बुक कम्पनी,त्रिपोलिया बाजार, जयपुर।
2. रचनानुवाद कौमुदी–डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वाराणसी।
3. रचनानुवादप्रभा–डॉ.श्रीनिवास शास्त्री, कुरुक्षेत्र।

व्याकरण के लिये

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ.बसंत जैतली एवं डॉ. राजेश कुमार,जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्री महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान ,दिल्ली।
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली।
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी– भीमसेन शास्त्री।
5. संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
6. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल

संस्कृत काव्य का इतिहास –

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – पी.वी. काणे, मोतीलाल बनारसी, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – कपिल देव द्विवेदी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
5. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – ए.बी. कीथ
6. अलंकारशास्त्रेतिहासः – डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्रः

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR